लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

# University in News on 20 March 2023

## AMRIT VICHAR PAGE 5

# यहां किताबें बोलेंगी और गुनगुनाएंगी भी

## लविवि के टैगोर पुस्तकालय में स्थापित होने जा रही है अनूठी ऑडियो लाइब्रेरी

*किताबें करती हैं बातें बीते जमाने की*
*दुनिया की, इंसानों की आज की, कल की*
*क्या तुम नहीं सुनोगे इन किताबों की बातें*
*किताबें कुछ कहना चाहती हैं,*
*तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।*

सचिन त्रिपाठी

लखनऊ। सफदर हाशमी की यह कविता कई दशक पुरानी है लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी में अब इस कविता का हर शब्द सच्चाई के धरातल पर उतरने वाला है। इस लाइब्रेरी में किताबें अब वाकई में बोलेंगी और गुनगुनाएंगी भी।

दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय यहां एक अनूठी ऑडियो लाइब्रेरी तैयार करने जा रहा है जहां हेडफोन लगाकर विद्यार्थी गीत, गजल और कविताओं के साथ ही विभिन्न पाठ्य पुस्तकों के ऑडियो फॉर्मेट को सुन सकेंगे।

### एक जनप्रतिनिधि ने की है लविवि को 25 लाख रुपये देने की पेशकश


लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी। - संवाद

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एक जनप्रतिनिधि ने विख्यात शायर दुष्यंत कुमार के नाम पर 25 लाख रुपये देने की पेशकश की है। इसके आधार पर विश्वविद्यालय ने उनको प्रस्ताव दिया है।

साइबर लाइब्रेरी के बगल वाले कमरे में यह ऑडियो लाइब्रेरी विकसित की जाएगी। यहां स्क्रीन पर किताबों की सूची उपलब्ध होगी। इस पर क्लिक करते ही हेडफोन से सुना जा सकेगा। विद्यार्थियों को किताबें तलाशने, शेल्फ से निकालने और पढ़ने की जहमत भी नहीं उठानी होगी। विद्यार्थियों को अपनी पसंद की पुस्तक पर सिर्फ क्लिक करना होगा और उसके बाद वह किताब की पूरी सामग्री को सुन सकेंगे।

### तकनीक और छात्रों की पसंद के साथ आगे बढ़ रहा विवि

लविवि ने साइबर लाइब्रेरी के बाद युवाओं की पसंद और तकनीक के साथ कदमताल करने की दिशा में एक कदम और बढ़ा दिया है। अब युवा किताबें पढ़ने से ज्यादा उन्हें सुनने में दिलचस्पी रखते हैं। इंटरनेट पर इस तरह के तमाम एप और प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी ऑडियो लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए लविवि ने इस अनूठी लाइब्रेरी की योजना तैयार की है।

■ ***दुष्यंत कुमार की लयबद्ध गजलों से होगी शुरुआत :*** लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अनुसार, यह अनुदान मूल रूप से दुष्यंत कुमार के नाम पर ही मिल रहा है। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उनकी गजलों को लयबद्ध रूप में ऑडियो के माध्यम से पेश किया जाएगा इसके लिए भातखंडे सम विश्वविद्यालय की मदद ली जाएगी। अगले चरण में अन्य कवि और लेखकों की रचनाओं के साथ ही पाठ्य पुस्तकों को भी इस प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा।

# विषय के हिसाब से ही लेने होंगे दाखिले

## कुल सीटों की संख्या के अनुसार दाखिले लेने वाले कॉलेजों पर सख्ती करेगा लविवि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने सहयुक्त कॉलेजों पर विषय के हिसाब से दाखिले न करने पर सख्ती करने जा रहा है। नए सत्र में सभी कॉलेजों को दाखिले के लिए तय कुल सीटों के बजाय हर विषय में तय सीट के हिसाब से ही दाखिले लेने होंगे। ऐसा न करने पर उनके दाखिले अमान्य हो जाएंगे।

पिछले कुछ समय से देखा गया है कि कई कॉलेज विषय के बजाय कुल सीटों के हिसाब से ही दाखिले ले लेते हैं। इसकी वजह से किसी विषय में सौ दाखिले हो जाते हैं तो कुछ में दस दाखिले भी नहीं हो पाते हैं। इसकी वजह से परीक्षा और पढ़ाई दोनों में समस्या का सामना करना पड़ता है। लविवि स्नातक स्तर पर सीट के बजाय विषय के हिसाब से दाखिले लेता है। आमतौर पर एक बार में एक सेक्शन की मान्यता दी जाती है। हर सेक्शन में 60 सीटें मानी जाती हैं। इसके तहत एक बार में बीए में न्यूनतम तीन विषय की मान्यता दी जाती है। तीनों विषय में 60-60 से ज्यादा दाखिले नहीं होने चाहिए। यानी कि कुल दाखिले 60 होंगे और हर बच्चे को तीन-तीन विषय लेने होंगे।

समस्या तब खड़ी होती है, जब कॉलेज में तीन से ज्यादा विषय होते हैं। ऐसी स्थिति में देखा गया है कि कॉलेज सिर्फ पसंद किए जाने वाले विषयों में ही ज्यादातर दाखिले ले लेते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर कॉलेज में बीए की 180 सीटें हैं और कुल पांच विषय हैं तो किसी भी विषय में 60 से ज्यादा दाखिले नहीं होने चाहिए। इसके बजाय देखा यह गया है कि किसी विषय में 150 दाखिले ले लिए गए तो किसी में महज 30 सीटें ही भरीं।

इस स्थिति में कुल दाखिले तो 180 होंगे लेकिन एक विषय की सीट खाली पड़ी रहेगी। इसे देखते हुए लविवि ने सख्ती करने का फैसला किया है। अब कॉलेजों को कुल सीट के बजाय हर विषय के हिसाब से ही दाखिला लेना होगा।

### कोविड के समय मिल गई थी छूट

कोविड महामारी के समय कॉलेजों ने कम दाखिले की बात कहते हुए लविवि से विषयवार के बजाय कुल सीट पर दाखिले लेने की अनुमति मांगी थी। विवि प्रशासन ने उस समय इसकी मौखिक सहमति दे दी थी, लेकिन अब विवि प्रशासन इसमें सख्ती करने जा रहा है। अब कॉलेजों को नियम के हिसाब से ही दाखिले लेने होंगे।

" कॉलेजों को सीट की मान्यता उनके द्वारा नियुक्त शिक्षक और इंफ्रास्ट्रक्चर को देखते हुए विषयवार दी जाती है। इसलिए उनको दाखिले भी विषय के हिसाब से ही लेने चाहिए। इस साल से आवेदन से पहले लविवि की ओर से यूनिक आईडी आवंटन होना है। इससे विषयवार दाखिलों का पालन कराने में आसानी होगी। - **संजय मेधावी**, कुलसचिव लविवि

## i-NEXT PAGE 2

# यूनिवर्सिटीज को बनाना होगा डेवलपमेंट प्लान

**कमेटी की ओर से दिए गए प्लान के ड्राफ्ट को प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानो को भेजा जाएगा**

**LUCKNOW (19 March) :** राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब राजधानी सहित प्रदेश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अपना इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आईडीपी) तैयार करके वेबसाइट पर अपलोड करना होगा. इसके लिए एक माडल आईडीपी बनेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन ने एलयू वीसी प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में गठित कमेटी को सौंपी है. यूजीसी के दिशा-निर्देशों के आधार पर यह कमेटी एक महीने में प्लान का ड्राफ्ट तैयार करके शासन को सौंपेगी.

### विजन प्लान तैयार करने में जुटा एलयू

यूजीसी ने इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान को लेकर गाइड लाइन जारी की है. एलयू अपने 10 साल के विजन प्लान को तैयार करने में लगा है. अब इसी तर्ज पर सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अपना डेवलपमेंट प्लान बनाना होगा. एलयू की डीन एकेडमिक्स एवं कमेटी की सदस्य प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि एनईपी में को-करिकुलर एक्टिविटी, वोकेशनल कोर्सों से लेकर अंतरराष्ट्रीयकरण, रोजगारपरक कोर्स, कल्चरल, स्पोर्ट्स, कौशल विकास सहित सभी एक्टिविटीज को शामिल किया गया है. इसको ध्यान में रखते हुए यूजीसी और एनईपी की गाइडलाइन के अनुसार मॉडल आईडीपी तैयार किया जाएगा.

### कमेटी में इन्हें किया शामिल

संस्थानों के लिए माडल इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आइडीपी) बनाने को लेकर जो छह सदस्यीय समिति बनाई गई है, उसमें एलयू के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय अध्यक्ष नामित किए गए हैं. सदस्य के तौर पर डीन एकेमिक्स प्रो. पूनम टंडन, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा के कुलपति, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी प्रयागराज की प्रो. नीतू सिंह, मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतमबुद्ध नगर की प्रो. दीप्ति वाजपेयी और सदस्य सचिव एवं कोआर्डिनेटर निदेशक उच्च शिक्षा को बनाया गया है.

## JAGRAN CITY PAGE III

# अब विश्वविद्यालय व कालेजों को बनाना होगा डेवलपमेंट प्लान

जासं, लखनऊ: राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब राजधानी सहित प्रदेश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को अपना इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान (आइडीपी) तैयार करके वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। इसके लिए एक माडल आइडीपी बनेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में गठित कमेटी को सौंपी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के आधार पर यह कमेटी एक महीने में प्लान का ड्राफ्ट तैयार करके शासन को सौंपेगी।



यूजीसी ने इंस्टीट्यूशनल डेवलपमेंट प्लान को लेकर गाइड लाइन जारी की है। एनईपी में को-करिकुलर एक्टिविटी, वोकेशनल कोर्सों से लेकर अंतरराष्ट्रीयकरण, रोजगारपरक कोर्स, कल्चरल, स्पोर्ट्स, कौशल विकास सहित सभी एक्टिविटीज को शामिल किया है। इसको ध्यान में रखते हुए यूजीसी और एनईपी की गाइडलाइन के अनुसार माडल आइडीपी तैयार किया जाएगा। यह माडल शासन को भेजा जाएगा।

कमेटी में इन्हें किया गया शामिल : लवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय अध्यक्ष नामित किए गए हैं। सदस्य के तौर पर डीन एकेमिक्स प्रो. पूनम टंडन, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा के कुलपति, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी प्रयागराज की प्रो. नीतू सिंह, मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर गौतमबुद्ध नगर की प्रो. दीप्ति वाजपेयी और सदस्य सचिव एवं कोआर्डिनेटर निदेशक उच्च शिक्षा को बनाया गया है।

# लवि : 18 छात्र-छात्राओं का हुआ प्लेसमेंट

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल की ओर से कराए गए प्लेसमेंट ड्राइव में 18 छात्र-छात्राओं का मल्टीनेशनल कंपनी विप्रो में प्लेसमेंट हुआ है। इन सभी को 3.08 लाख रुपये सालाना पैकेज मिलेगा।

प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि विप्रो कंपनी में बीसीए पाठ्यक्रम से शिवानी रावत, श्रद्धा मिश्रा, रितिका प्रजापति, बीए के छात्र हर्ष राय, बीकाम के दिव्यांक सिंह, भव्या सक्सेना, सेजल गुप्ता, तान्या सिंह का प्लेसमेंट हुआ है। बीबीए के अभिजीत सिंह, आयुष यदुवंशी, दीपक गुप्ता, मनी पांडेय, प्रिंस, रिया, श्रुतिका, शुभम कुमार, स्वर्णिम दुबे और प्रिया चौहान का चयन कस्टमर सर्विस रिप्रजेंटेटिव के पद पर चयन हुआ है। लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संकाय के डीन प्रो. एके सिंह ने चयनित छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

## NBT PAGE 6

**आज विश्व गौरैया दिवस** | राजधानी में गौरैया पार्क बनाने को लेकर चिह्नित की गई जगह

# एलयू में बनेगा गौरैया पार्क, लगाए जाएंगे घोंसले

Rishi.Sengar@timesgroup.com

■ लखनऊ : राष्ट्रीय गौरैया दिवस पर एक अच्छी खबर है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट में जल्द ही गौरैया पार्क बनाया जाएगा। पार्क में इन गौरैयों के लिए कई घोंसले भी लगाए जाएंगे। शहर में गौरैया की संख्या बढ़े, इसके लिए किए गए प्रयास रंग ला रहे हैं।



कई वर्षों से गौरैया की संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रहीं और एलयू में इंस्टिट्यूट ऑफ वाइल्ड लाइफ साइंस की कोऑर्डिनेटर प्रो.अमिता कनौजिया ने रविवार को बताया कि गौरया पार्क बनाने के लिए प्लान तैयार कर लिया गया। इसके बजट के लिए एक प्रतिष्ठित कंपनी को आर्थिक सहायता के लिए पत्र लिखा गया है। उस कंपनी के सीएसआर फंड से बजट मिलते ही गौरैया के लिए पार्क बनाने का काम जून तक शुरू हो जाएगा। पार्क में गौरैया के लिए कई घोंसले लगाए जाएंगे ताकि वहां आराम से रह सकें। उनके लिए खाने-पानी की व्यवस्था भी की जाएगी।

**हर साल बढ़ी गौरैया की संख्या :** प्रो.अमिता कनौजिया बताती हैं कि शहर में काउंटिंग के दौरान हर वर्ष गौरैया की संख्या अधिक मिली है। वर्ष 2013 में गौरैया की संख्या काउंटिंग में 2503 सामने आईं थीं। वर्ष 2014 में 3362, वर्ष 2015 में 5637, वर्ष 2016 में 6036, वर्ष 2017 में 7074, वर्ष 2018 में 8654, वर्ष 2019 में 11675, वर्ष 2020 में 15324 और वर्ष 2021 में काउंटिंग में 15520 गौरैया की संख्या निकली थीं। 2022 में काउंटिंग में गौरैया की संख्या 16103 निकलीं। सोमवार को गौरैया दिवस पर पूरे शहर में लोगों की ओर से काउंटिंग की जाएगी। लोग अपने घर व उसके आस-पास मौजूद गौरैया की काउंटिंग करके उनके वॉट्स ऐप नंबर 7054941555 पर भेज सकते हैं।

### मुख्य गेट पर बांटे जाएंगे घोंसले

प्रो.अमिता कनौजिया बताती हैं कि गौरैया दिवस पर सोमवार को एलयू के मुख्य गेट पर घोंसलों का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा गौरैया का खाना भी दिया जाएगा। इसके अलावा सुशांत गोल्फ सिटी में भी गौरैया के लिए घोंसले और भोजन बांटा जाएगा।

### गौरैया संरक्षण को लेकर लिखे संदेश



■ एनबीटी, लखनऊ : विश्व गौरैया दिवस से पहले नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान में रविवार को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कई स्कूलों के छात्रों ने पोस्टर बनाए और लोगों को गौरैया को बचाने का संदेश दिया। इस बीच एक बड़े बैनर पर लोगों ने गौरैया के संरक्षण को लेकर अपने-अपने अंदाज में संदेश लिखे। प्राणि उद्यान की ओर से सोमवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम होगा।

## RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

# लविवि के 18 छात्रों का हुआ कैम्पस प्लेसमेंट

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 18 छात्रों का मल्टीनेशनल कंपनी में प्लेसमेंट हुआ है। प्लेसमेंट इंचार्ज डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि एक मल्टीनेशनल कंपनी में बीसीए की तीन छात्राओं (शिवानी रावत, श्रद्धा मिश्रा व रितिका प्रजापति), बीए के एक छात्र (हर्ष राय), बी.कॉम के चार छात्र-छात्राओं (दिव्यांक सिंह, भव्या सक्सेना, सेजल गुप्ताव तान्या सिंह) तथा बीबीए के 10 छात्र-छात्राओं (अभिजीत सिंह, आयुष यदुवंशी, दीपक गुप्ता, मनी पांडेय, प्रिंस, रिया, श्रुतिका, शुभम कुमार, स्वर्णिम दुबे और प्रिया चौहान) का चयन कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव के पद पर 3.08 लाख रुपए प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने डा. हिमांशु पाण्डेय तथा चयनित छात्रों को बधाई दी।

## HIDUSTAN TIMES PAGE 2

# In LU and just loving it!

Foreign students give a big thumbs-up to city's rich culture and monuments, Indian delicacies, festivals and the academic atmosphere

HT Correspondent
letters@htlive.com

**LUCKNOW :** Here from far off lands, scores of foreign students studying in Lucknow University (LU) find the city's rich culture and monuments attractive, Indian delicacies and festivals simply fun and the academic atmosphere of the century-old university quite satisfactory. To them, it's learning with pleasure, something they are unlikely to forget.

Cai Yuliang, 26, has come all the way from China to pursue PhD in Hindi from LU. She wants to become a Hindi teacher and teach the language in her home country. She is putting up here in the university hostel and is enjoying every bit of it.

"I have been here for about a year. Though I'm away from home, I'm enjoying my stay in the city. LU is a perfect place that provides an excellent academic atmosphere and comfortable environment for foreign students. Here teachers and classmates are very helpful in my study and life," Yuliang said.

"The Lucknow University is a home for 170 students from 28 countries. Forty-one students are from Afghanistan alone, 11 from Bangladesh, 8 from Namibia, 7 each from Sri Lanka and Tajikistan and many others from different countries. They are all enrolled in undergraduate, post graduate and research programmes in the university," said Prof RP Singh who handles the affairs of international students at the university.

"Lucknow is a fantastic city that brings a different Indian culture, " said Yuliang who earlier pursued masters in Hindi from Delhi University. She is pursuing Hindi out of her sheer interest for the language. "Many Indians go to China and there are very people who speak Hindi and hence there is a need for Hindi speaking people in the country," said Yuliang.

Nadia Putri from Indonesia came here to pursue MA in psychology. Why Lucknow? "In 2020, I saw a video on YouTube of an Indonesian student in JNU who went to Lucknow with his friend. From that moment, I had a dream to visit India especially Lucknow because the city has a number of historical places," she said.


For the foreign students, the stay at LU is learning with pleasure, something they are unlikely to forget. SOURCED

Before Nadia came to India, she was a teacher in a kindergarten school where she taught kids under 7. "I realised that raising children is not easy as they are the future generation. So, I need to have a good knowledge of child psychology for that. That's why I chose psychology. I wanna become a consultant on parenting," she said.

"People in Lucknow are very kind and nice. Food is super delicious," said Nadia who loves all kinds of Indian food. "I have developed a taste for Indian food. In Lucknow I love Biryani and Chhola Bhatura. Before I came here, I tried making Chhola Bhatura in Indonesia by watching YouTube," she said.

Mohd Abdullah came from Syria in November 2021 to do research in commerce. "My topic of research is role of financial performance of Islamic banks on economic development in select Gulf Cooperation Council countries. I'm doing PhD under Prof Awadhesh Kumar. I will spend another two years and enjoying every bit of it. I got a scholarship through the Indian Council for Cultural Relations (ICCR). Enjoying Indian festivals and a wide range of food," said Abdullah who also stayed for some time in Gujarat but he finds infrastructure better in Lucknow as compared to Rajkot.

Khodzhaev Iskandar, 25, from Tajikistan is enrolled in MA political science.

He said, "India is popular for its education system and I have a lot of good memories of my department. I took part in several conference and competitions. Biryani, Kulcha Nahari, Chhole Bhature are my favourite dishes. Among sweets, I prefer Gulab Jamun and Laddu," Iskandar said.



Talking about languages, Iskandar said, "Every language is beautiful and sacred. We must preserve the language and protect it, especially the mother language. My native language is the Tajik-Persian language but along with my native language, I value and respect other languages too because language is the only means of communication for humanity."

The number of foreign students seeking admission to LU has seen rise in recent times.

In 2018-19, only 9 such students had taken admission in LU while in 2019-20, some 15 foreign students took admission.

In 2020-21, 70 international students took admission here and in 2021-22, the number of applications received was 637. Due to non-availability of international flights owing to the pandemic, only 34 students took admission then.

In 2022 -23, Lucknow University received approximately 814 applications and about 100 students were admitted, said Prof RP Singh.